Ans. (a) काली मिट्टी सर्वाधिक चिकनाई युक्त होती है। इस मिट्टी में सर्वाधिक नमी धारण करने की क्षमता होती है। इस मिट्टी में फॉस्फेट,नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थो की कमी पायी जाती है। राजस्थान में इस मिट्टी का क्षेत्र दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान को माना जाता है। जिसमें राजस्थान के प्रमुख जिले हैं-बारा,झालावाड़ कोटा व बूँदी।

377. निम्नलिखित युग्मों से कौन सा एक सुमेलित <u>नहीं</u> है?

	मृदा प्रकार	क्षेत्र
(a)	एरिडीसोल्स	अर्द्ध शुष्क
(b)	अल्फीसोल्स	आर्द्र
(c)	इनसेप्टीसोल्स	अर्द्ध आर्द्र/उप आर्द्र
(d)	वर्टीसोल्स	शुष्क

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020

Ans. (a) सही सुमेलन है–

मृदा प्रकार		क्षेत्र
एरिडीसोल्स	–	मरुस्थल क्षेत्र
अल्फीसोल्स	–	आर्द्र
इनसेप्टीसोल्स	–	अर्द्ध आर्द्र/उप आर्द्र
वर्टीसोल्स	–	शुष्क

378. पहाड़ी मृदा राजस्थान में पायी जाती है-

(a) कोटा से सिरोही में
(b) उदयपुर व सिरोही में
(c) सिरोही व अजमेर में
(d) उदयपुर व कोटा में

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (b) राजस्थान में पहाड़ी मृदा उदयपुर, अलवर, सिरोही, पाली, अजमेर जिले में पाई जाती है। यह मृदा लाल, पीला, अथवा भूरे रंग की होती है। यह उपजाऊ मृदा नहीं है।

379. राजस्थान में मिश्रित लाल और काली मिट्टी में सामान्यतया कौन-सी फसलें उगाई जाती है-

(a) चावल, गन्ना
(b) मूँगफली, सरसों
(c) गेहूँ, चना
(d) कपास, मक्का

JEN Mechanical Diploma 21.8.2016

Ans. (d) राजस्थान में मिश्रित लाल और काली मिट्टी में सामान्यतया कपास एवं मक्का की फसलें उगाई जाती है। राजस्थान में कृषि मूलतः वर्षा पर आधारित है। वर्तमान में राजस्थान का हनुमानगढ़ जिला कपास उत्पादन में अग्रणी स्थान रखता है।

380. राजस्थान में निम्नलिखित में से जिलों का कौन-सा समूह अवनालिका मृदा अपरदन से गम्भीर रूप से ग्रसित है-

(a) कोटा, बूँदी, झालावाड़ एवं टोक
(b) सवाई माधोपुर, भरतपुर, धौलपुर एवं अलवर
(c) धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर एवं कोटा
(d) कोटा, बूँदी, बारां एवं बाँसवाड़ा

JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (c) राजस्थान में अवनालिका मृदा अपरदन से प्रभावित जिले-धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर एवं कोटा है। अवनालिका अपरदन नदियों, नालों एवं भारी बारिश के जल से होता है। इन जल धाराओं द्वारा मृदा के ऊपरी आवरण के साथ कटाव बढ़ते हुए गहरे गड्ढ़े, घाटियाँ एवं नाले का रूप ले लेता है। जिसे अवनालिका अपरदन कहते है।

381. राजस्थान के कौन से तीन जिले गहरी भूरी काली मृदा रखते हैं-

(a) उदयपुर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
(b) कोटा, बूँदी, झालावाड़
(c) भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक
(d) पाली, सिरोही, जालौर

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (b) राजस्थान में कोटा, बूँदी झालावाड़ तथा बारां जिलों में गहरी भूरी काली मृदा पायी जाती है। इसमें कैल्शियम एवं पोटाश पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इस मिट्टी में कपास की अच्छी खेती होती है।

382. राजस्थान में बंजर भूमि विकास के संबंध में निम्न कथनों का परीक्षण कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

1. राज्य में वर्तमान (2013-14) में भू-उपयोग हेतु कुल प्रतिवेदित क्षेत्र में लगभग 19 प्रतिशत भूमि बंजर भूमि है।
2. राज्य में गत 30 वर्षो में पुरानी पड़त भूमि में लगभग 18 प्रतिशत की कमी आई है।
3. राज्य में बंजर भूमि विकास कार्यक्रम को क्रियान्वित करने का उत्तरदायित्व राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड का है।
4. राज्य में एकीकृत बंजर भूमि विकास योजना स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (SIDA) के सहयोग से वर्तमान में 10 जिलों में चल रही है।

कूट.-

(a) 1, 2 और 4 (b) 1 और 2
(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (b) राज्य में भूमि उपयोग के प्रयोजन के लिए बंजर भूमि कुल क्षेत्रफल का लगभग 19% है। कृषि योग्य बंजर भूमि अजमेर, अलवर और जैसलमेर में सबसे अधिक तथा हनुमानगढ़, झुंझुनू व भरतपुर में न्यूनतम है।

- राज्य में पिछले 30 वर्षों में पुरानी परती भूमि में लगभग 18% की कमी दर्ज की गयी है।
- एकीकृत बंजर भूमि विकास परियोजना सौ प्रतिशत केन्द्र प्रायोजित योजना है न कि अन्तर्राष्ट्रीय संस्था के सहयोग से संचालित इस परियोजना का उद्देश्य गैर वन बंजर भूमि का विकास करना है।

383. राजस्थान का मरुस्थल विश्व के इन्हीं अक्षांशों में स्थित अन्य मरुस्थलों से सर्वथा भिन्न है। यहाँ मरुस्थलीकरण प्रक्रिया के संबंध में क्या अवधारणा सटीक है-

(a) यह हृदयस्थल से प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(b) यह शुष्क क्षेत्रों से प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(c) यह अतिचारण, अतिहलर, निर्वनीकरण तथा मृदा व जल के अनुचति प्रबंधन के कारण प्रारम्भ व प्रसारित होती है।
(d) यह सूखे के कारण प्रारम्भ होती है।

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016